

>

Title: Introduction of the Regional Centre for Biotechnology Bill, 2011,

THE MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF EARTH SCIENCES (SHRI VILASRAO DESHMUKH): I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the establishment of an institution of national importance to be known as the Regional Centre for Biotechnology for training and education as a category II institution under the auspices of the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization, to undertake research in the field of biotechnology and to provide for matters connected therewith or incidental thereto.

MADAM SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the establishment of an institution of national importance to be known as the Regional Centre for Biotechnology for training and education as a category II institution under the auspices of the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization, to undertake research in the field of biotechnology and to provide for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

SHRI VILASRAO DESHMUKH: I introduce the Bill.

MADAM SPEAKER: Now, Calling Attention – Shri Arjun Ram Meghwal.

...(Interruptions)

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): महोदया, यह लोगों की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ गीता का मामला है। आपकी कुर्सी पर लिखा है - धर्म चक्र प्रवर्तनाय। गीता के उपदेशों पर देश और दुनिया में जो हमारी बेइज्जती हो रही है, उस पर मंत्री जी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने टेबल पर ऐसे ही स्टेटमेंट रख दिया...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): वह हाउस में स्टेटमेंट पढ़ना चाह रहे थे।

श्री हरिन पाठक : सरकार क्या कदम उठा रही है?

श्री पवन कुमार बंसल : वह इसीलिए आये थे।...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : गीता कोई सामान्य किताब नहीं है। वह हमारा चिंतन है, हमारा दर्शन है, हमारे देश की धरोहर है, वह एक सांस्कृतिक विरासत है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) अरे! *

MADAM SPEAKER: I called him many times to read out the statement.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: No. Please sit down now.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : मैंने उन्हें बहुत दफा बुलाया था, उस समय बहुत कोलाहल था, इसीलिए वह ले किया गया।

अरे!(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The Minister's statement has been laid.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : आपके सामने ही सब कुछ हुआ है।

ॐ! (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: This has happened in front of you.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : नो, आप बैठ जाइये। जब हम उसे पढ़वा रहे थे, तब आप वया कर रहे थे, बताइये? आप बैठिये।

ॐ! (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I asked him repeatedly to read out the statement.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : नो, यह क्रास ववैश्चनिंग नहीं चलेगा।

ॐ! (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I have gone ahead.

...(Interruptions)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : मैं भी गीता पर ही कह रहा हूँ।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। आप फिर बैठ नहीं रहे हैं। आप शांति बनाइये। जिस समय उन्हें पढ़वा रहे थे, उस समय कोलाहल था तो हमने उन्हें ले करने के लिए कह दिया, उसके बाद से हम लोग आगे बढ़ गये और कालिंग अटैन्शन तक आ गये हैं।

ॐ! (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: As a special case, I will allow the hon. Minister to read out again. लेकिन आप लोग शांति बनाये रखिये।

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: After that, we will take up Calling Attention.

Yes, hon. Minister may read it out again.
